Volta

रिचर्ड बेरेनगार्टेन
Richard Berengarten

Marwari / मारवाड़ी

अनुवाद : बसन्त रूँगटा
translated by Basant Rungta

साँझ रो घूमणों

... अब जद सिन्झ्याँ ढलण चाली ...

सूरज देवता, गाल थारा सुर्ख लाल, दिन री सोनल गिन्नी थे,
थारो परस बणावे म्हारी चाम नै आँख्याँ री झीणी परत,
ओर रीढ़ नै उणरी नस, ओर सिहरण लागै म्हारो डील
उन सोनल चमक सूँ , ढाल़ो हो थे भर भर कल़स जिणसूँ
इण समन्दर ओर नगर माथै, जिणसूँ हूँ बण जाऊँ आन्धो ।
कदे अठे ऊभी ही कताराँ ही कताराँ, जकी हूँ जाणू ऊभी हैं हाल भी
मकानाँ न गैलाँ री, जका हा किणी दूसरै सहर रा,
इणरा नीं जिणनै बदल गेस्या थे पूरो को पूरो ।

घूम रह्याँ म्हें समन्दर री पाल़ । रात रा
मछवाराँ री नावाँ त्यार खड़ी निकल़ण ताँईं,
पालाँ बन्धेड़ी, घरघराता इंजिन, टिमटिमाती लालटेण्याँ कूणाँ माथै,
ओर निकल पड़ी सगल़ी नगरी जाणी टैल़ण समदर री पाल़,
बाथाँ बन्धेड़ा प्रेमी, अकड़ता नोजवान,
मायाँ ओर बापू, आइस–क्रीम खाती टाबरी,
निहारता बूढा बैठ्या चाय–दुकानाँ री बेंचाँ पर,
ओर अँधेरा सूँ कल़वासी पड़ती डूँगरयाँ लागै आयरी नेड़ी, मिनखावड़ा जिनावराँ दाँईं ।

साँझ री मादक झाँईं, जकी पसरगी खाड़ी ओर डूँगरयाँ माथै,
कितरो हल़वै सी छू लियो थारो हाथ मनै, जियाँ चाणचक ई,
इण मरवण रा परस दाँईं, घूमरी ह्वै म्हारै साथै, पसवाड़ै
भरया नितम्ब, ओछा डग, झूमती चाल,
गैरा काल़ा बाल़, लारै खिंचेड़ा, नाजक नाड़, कान्धा
गरमी सूँ ताम्बा बरणी, ओर उणरी भूरी बदामी मुल़कती आँख्याँ
हूँ पीऊँ थानै ओ झिलमिलाती रोसणी, जियाँ अँगूरी सराब, संगीत जियाँ,
जिण भाँत पीवता रैया उणरा बडगा हजारूँ बरसाँ सूँ।

बिना परकोटै री नगरी, उणरो नाम मुगती,
हालाँकि थारै घावाँ रा निसान उणरी आख्याँ माँय बणगा धूसर चिकत्याँ
फेर ई, इण बेल़ा जद चानणों ओर उण री उतरती–चढ़ती लहरयाँ
फूट स्यी हल़वै–हल़वै उणरै मुखड़, बोली बण, गीत बण,
उण रो ई है सदीनों हक इण घाट माथै चालणै रो
थारै उजाल़ै रो साधन ओर रुखाल़ो बण,
एकठो करै बा जिणनै आपरी सावगैरी आँख्याँ माँय
ओर है उणनै लाड भरी आजादी थारै माथै पग धरणै री, एक पातर दाँई।

प्यारी साँझ, हजाराँ बरस पुराणी रोसनी थे,
गावो कितरा खुल्ल़ा गल़ा सूँ, सोवणी इण लुगाई दाँई,
क्यूँ नीं पूजूँ थारै सलूणापण नै जिण माँय
थे ढाल़ दिया इण नगर नै, नगरहाल़ा नै, एड़ा साचाँ माँय
जको तरास देवै छू लेवै जिणनै भी, सगल़ी दुनिया नै ?
हूँ दास बणगो हूँ थारो, जे नागरिक नहीं तो भी।
ओर इतरी तिरस है थानै पीवण री कै भर देस्यूँ
म्हारै रोम–रोम नै थारी आभा सूँ , आजादी सूँ।

रिचर्ड बेरेनगार्टेन
Richard Berengarten

अनुवाद : बसन्त रूँगटा
translated by Basant Rungta

---

interLitQ.org